www.mumbai.nbt.in

शराब पर वैट का होटेल संगठनों ने किया विरोध

1 नवंबर से राज्य में शराब पीना होगा महंगा

■ वरिष्ठ संवाददाता, मुंबई: महाराष्ट्र में वैट के चलते शराब महंगी होने का विरोध शुरू हो गया है। राज्य सरकार ने 1 नवंबर से शराब पर लगने वाली वैट की राशि को डबल करने का फैसला लिया है। परमिट रूम में शराब परोसने पर वैट 5 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इंडियन होटेल ऐंड रेस्टोरेंट असोसिएशन (आहार) और होटेल ऐंड रेस्टोरेंट असोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया (एचआरएडब्ल्यूआई) ने राज्य सरकार के फैसले का विरोध किया है। सरकार से वैट की दरों में बढ़ोतरी के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। दोनों असोसिएशन के अनुसार, शराब महंगी होने से पर्यटन पर असर पड़ने के साथ ही शराबी की तस्करी बढ़ेगी। इसका सीधा असर सरकार को प्राप्त होने वाले राजस्व के साथ ही होटेल व्यवसाय पर भी पड़ेगा।

आहार के अध्यक्ष सुकेश शेट्टी ने कहा कि होटेल ऐंड रेस्टोरेंट उद्योग काफी अधिक संख्या में लोगों को रोजगार देता है, शराब की ऊंची कीमतों के कारण बिक्री कम होने से उद्योग में नौकरियां खत्म हो सकती हैं। होटेल ऐंड रेस्टोरेंट में शराब की ज्यादा कीमतों से ग्राहकों की संख्या घटेगी, जिससे आमदनी कम होगी और मालिकों को अपने खर्च घटाने पड़ेंगे। इससे क्वॉलिटी पर भी असर पड़ेगा। इसके अलावा, सरकार के इस फैसले से अवैध ढाबों और अवैध तरीके से शराब बेचने वालों की संख्या बढ़ेगी, जबकि लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इससे पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेशों से शराब मंगाई जा सकती है, जिससे महाराष्ट्र को आगे चलकर राजस्व हानि हो सकती है।

एचआरएडब्ल्यूआई अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी के अनुसार, मौजूदा समय में शराब पर 5 प्रतिशत का वैट लगता है, जिसे सरकार ने बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। कुछ महीने सरकार ने लाइसेंस फीस में भी बढ़ोतरी की थी। नए आदेश के बाद 1 नवंबर से शराब की दरों में 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। कोरोना के बाद घरेलू पर्यटन में धीर-धीरे वृद्धि हो रही है। वहीं, महाराष्ट्र के पड़ोसी राज्य गोवा में शराब बहुत सस्ती है। दाम बढ़ने के कारण शराब के शौकीन मुंबई में पर्यटन के बजाय गोवा समेत अन्य स्थानों पर जाएंगे। वहीं, गैर कानूनी तौर पर शराब की बिक्री और तस्करी में वृद्धि होने की आशंका है। प्रदीप के अनुसार, मुंबई की तुलना में हरियाणा और चंडीगढ़ में शराब 20 से 30 प्रतिशत सस्ती है।

सोशल इफेक्ट

एचआरएडब्ल्यूआई के पूर्व अध्यक्ष कमलेश बरोट के अनुसार, वैट बढ़ने के कारण लोग पैसे बचाने के लिए होटेल या रेस्टोरेंट में बैठ कर पीने के बजाय वाइन शॉप से शराब खरीदेंगे। घर, रास्ते या गाड़ी में बैठ कर शराब पिएंगे, जिसका समाज पर बुरा असर होगा। सरकार को वैट को लेकर अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। इस निर्णय का सरकार के प्रयासों पर बुरा असर पड़ सकता है। वैट के दरों की वृद्धि के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करवाने और अपना पक्ष रखने के लिए एचआरएडब्ल्यूआई ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजित पवार, पर्यटन मंत्री गिरीश महाजन का समय मांगा है।

'आहार' और 'HRAWI' ने सरकार से फैसला रद्द करने की मांग की

कहा, वैट में बढ़ोतरी होने से पड़ेगा पर्यटन पर असर, होगी कालाबाजारी